इकनॉमिक टाइम्स कमोडिटीज़

शुगर बार्टर ट्रेड के लिए भारत को नहीं मिल रहे साझेदार

Sep 16, 2015, 09.00 AM IST

[माधवी शैली | नई दिल्ली]

भारतीय चीनी की जगह कमोडिटीज की अदला-बदली के मामले में सरकार विदेशी मुल्कों को रिझाने में नाकाम रही है। अगस्त में सरकार ने कहा था कि वह शुगर प्रॉड्यूसर्स को 40 लाख टन चीनी का निर्यात करने की इजाजत देगी, जिससे उन्हें आगामी पेराई सीजन शुरू होने से पहले कैरीओवर स्टॉक का एक हिस्सा क्लीयर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे चीनी मिलों को किसानों के एरियर का भुगतान करने में मदद मिलेगी। ऑफिसर्स ने इस संबंध में पिछले हफ्ते इंडोनेशिया और मलेशिया का दौरा किया था। इसके अलावा, संभावनाएं तलाशने के लिए एक दूसरा प्रतिनिधिमंडल इजिप्ट और श्रीलंका जा सकता है।

फूड मिनिस्ट्री के एक ऑफिसर ने बताया, 'इंडोनेशिया और मलेशिया का दौरा करने वाले ऑफिसर्स ने अभी तक अपनी रिपोर्ट नहीं दी है। हम विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।' देश से 10 लाख टन चीनी का एक्सपोर्ट किया गया है, जबकि इससे पिछले साल 21 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। ट्रेड एनालिस्ट तेजिंदर नारंग ने बताया, 'चीनी के ज्यादा स्टॉक के कारण 40 लाख टन शुगर का बार्टर (अदला-बदली) अव्यावहारिक आइडिया है।' उन्होंने कहा, 'चीनी की खपत करने वाले श्रीलंका, बांग्लादेश, इथियोपिया, सोमालिया जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाएं कमजोर हैं और हम उनके साथ स्ट्रक्चर्ड बार्टर नहीं कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि बैंक, पब्लिक सर्विस अंडरटेकिंग्स, ऑयल, गेहूं और दलहन के ट्रेडर्स को विचार-विमर्श का हिस्सा होना चाहिए था, जो कि संभव नहीं है। भारत में इस साल 100 लाख टन से ज्यादा सरप्लस शुगर का अनुमान है, जिससे आगे चलकर मार्केट प्राइसेज पर दबाव बन सकता है। 31 अगस्त को गन्ने पर बकाया एरियर 14,000 करोड़ पहुंच गया है। इसमें से उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों को 5,500 करोड़ रुपये किसानों को देने हैं। कारोबारियों के मुताबिक चीनी के होलसेल प्राइसेज 22-23 रुपये प्रति किलो पर स्टेबल हैं, जबकि इसकी प्रॉडक्शन कॉस्ट 28.50 रुपये है। वहीं, चीनी की एक्स-मिल कॉस्ट 16.30 रुपये है। इसी तरह, महाराष्ट्र में व्हाइट शुगर की प्रॉडक्शन कॉस्ट 29.50 रुपये है, जबकि इसकी एक्स-मिल प्राइस 22 रुपये है। महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के चीनी उत्पादक इलाकों में कमजोर मौसम की रिपोर्ट्स के साथ ब्राजील में भारी बारिश के कारण इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज में चीनी की कीमतों में मजबूती आई है। एक ट्रेडर ने कहा, 'अक्टूबर डिलीवरी के लिए 14 सितंबर तक शुगर प्राइसेज मजबूती के साथ 11.5 सेंट प्रति पाउंड के स्तर पर पहुंच गईं, जो 1 सितंबर को 10.71 सेंट्स पर थीं।

डाउनलोड करें Hindi News ऐप और रहें हर खबर से अपडेट।

बिज़नस-इनवेस्टमेंट की खबरों के लिए ET हिंदी के FB पेज को like करें।

Smart City Delhi
DDA approvd 2/3/4 BHK@ 29lac onward L Zone Delhi, Call @ 9650571111
www.revantacghsltd.in

Start a Nursery School
Start a Nursery School Low Investment and High Returns.
www.shemrock.com/franchise

Ads by Google